वस्तुनिष्ठ हिंदी

आत्मकथा जीवनी एवं अन्य गद्य विधाएं

विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए

लेखन व संपादन

डॉ. प्रभात कुमार 'प्रभाकर'

गुरु सदृश बड़े भैया श्री प्रशांत कुमार जिनका
संघर्षशील व्यक्तित्व, आदर्श, प्रेरणा और प्यार ही मेरा
शक्ति और संबल रहा।

संपादकीय

प्रिय पाठको! लीजिए प्रस्तुत है एन.टी .ए. यूजीसी नेट इकाई दस के पाठ्यक्रम में आये हिंदी आत्मकथा, संस्मरण और जीवनी पर आधारित मेरी पुस्तक। नेट के पाठ्यक्रम में आये सभी आत्मकथा, जीवनी आदि गद्य विधाओं के बारे वस्तुनिष्ठ रूप से विस्तृत चर्चा की गयी है। इस पुस्तक में रचनाकारों की जीवनी, उनकी समग्र रचनाओं का उल्लेख, पाठ्यपुस्तक में आए सभी गद्य विधाओं पर विस्तारपूर्ण चर्चा, उनपर विद्वानों या आलोचकों की राय, रचनाओं के मुख्य कथन, पात्र-परिचय, लेखक को प्राप्त पुरस्कार आदि सभी पहलुओं पर सविस्तार विचार किया गया है।

यह पुस्तक न केवल नेट/जेआरएफ प्रतियोगियों के लिए अति उपयोगी है बल्कि अध्यापकों के लिए भी लाभकारी साबित होगी। इसमें आए विषय वस्तु को एक बार देखकर जाने पर अध्यापन में सुविधा होगी, ऐसा मैं पूरे विश्वास के साथ कहूँगा

मैंने किस परिस्थिति में यह पुस्तक लिखा इसका किंचित् उल्लेख करना उचित समझ रहा हूँ।

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के कारण समग्र राज्यों में मार्च 2020 के करीब अंतिम सप्ताह से लॉकडाउन शुरू हो गया। इसी बीच एक दिन हमारे देश के प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी का टेलीविजन पर संदेश आया कि आप लोग इस आपदा को अवसर में बदलें। बस मैं अपने माननीय प्रधानमंत्री जी के इस कथन को ब्रह्मसूत्र मान पुस्तक लेखन में लग गया और पूरे पांच महीनों में नेट की पांच पुस्तकों को लिखा। ईमानदारी से कहूँ तो मार्च से जून तक मैं अपने घर से बाहर तो निकलना दूर दरवाजे तक भी नहीं जा सका। अब यह पुस्तक कितनी उपयोगी हो सकी है यह अधित्सु, सुधिजन के ऊपर छोड़ता हूँ।

पुस्तक लेखन में जिन पुस्तकों, विद्वानों और आलोचकों की सामग्री को ग्रहण की गयी है, उनके प्रति श्रद्धानत हूँ। पुस्तक लेखन के दौरान जिन गुरुजन- गुनीजनों का सहयोग रहा उनमें गुरुदेव चन्द्रभानु प्रसाद सिंह जी (विश्वविद्यालय प्रोफेसर ललित

नारायण मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा) तथा चंद्रभूषण त्रिवेदी सर (सेवानिवृत्त संस्कृत प्रोफेसर) को विशेष रूप से नमन करता हूँ।

प्रातः स्मरणीय परम् पूज्य बाबू जी (पिताजी) के प्रति अपने हृदय का अर्घ्य उनके श्रीचरणों में समर्पित करता हूँ। आपकी कड़ी मेहनत, लगन और जुझारूपन ही मेरे प्रेरणास्रोत रहे हैं। इसी कड़ी में मैं अपने ससुर जी स्वर्गीय दिनेश पोद्दार को सादर नमन करता हूँ। वस्तुतः पुस्तक लेखन का बीजवपन आपके द्वारा ही हुआ है। आप हमेशा हमें उत्साहित करते रहे। लेखन के दौरान प्रत्येक शाम आप फोन कर उस दिन के लेखन के बारे में पूछते, सलाह देते और आगे के लिए प्रेरित करते। मेरे लिए यह अति दुर्भाग्य की बात रही कि जब आप की प्रेरणा पुस्तकाकार रूप में साकार होने वाली थी तब आप नहीं रहे। कोरोना के कारण असमय आप काल-कलवित हो गए। वस्तुतः मेरी जितनी भी पुस्तकें हैं वो सभी आपकी प्रेरणा और स्नेह का पूंजीभूत रूप है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप जहां भी हैं वहीं से मेरी लेखनी में अजस्र धारा प्रवाहित हो,यह आशीर्वाद देते रहेंगे।

डॉ. सत्यदेव प्रसाद जी जो रिश्तों में मुझसे बड़े हैं, के प्रति भी श्रद्धानत हूँ। आपने ही मुझे पुस्तक लेखन की तकनीक से अवगत कराया।

लेखन के दौरान परिवार के सदस्यों से भरपूर सहयोग मिला। बड़े भाई शिक्षक प्रशांत कुमार एवं रेलकर्मी प्रीतम कुमार को विशेष साधुवाद देता हूँ जिनके सहयोग और सलाह का भरपूर उपयोग इस पुस्तक में हुआ है। बड़ी भाभी रूपा और पिंकी के सेवा और स्नेह को भी स्मरण करना अपना अधिकार समझता हूँ । छोटे भाई अभय उर्फ शिवा, प्रकाश, अभिषेक तथा भतीजा निशांत उर्फ हिमांशु और आयुष एवं भांजा विकास का भी मेरे लेखन में अमूल्य योगदान रहा है। अपनी सहधर्मिणी मीनू को भी विशेष साधुवाद! आपके सहयोग के बिना पुस्तक को पूरा करना कोड़ी कल्पना मात्र रहती। अपनी प्यारी पुत्री उपमा को भी पुस्तक लेखन का श्रेय देना चाहूँगा। मैं जब भी लेखन से थक या ऊब जाता आपकी तोतली, अस्पष्ट बोली में सातों सुरों का सुमधुर स्वर पाता और आपकी मधुर मुस्कान में नव स्फूर्ति का संचार।

पुस्तक लेखन के दौरान करजा उच्च विद्यालय मुजफ्फरपुर के प्रधानाध्यापक श्री मनोज कुमार जी को विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहूँगा। आपने भी मुझे काफी प्रेरित और उत्साहित किया है। इसी विद्यालय की लाइब्रेरियन अन्नू सिंह जी का विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूँ। आपने पुस्तक लेखन के लिए सहयोगी पुस्तकों को ढूँढ ढूँढ कर दिया यहां तक कि दूसरे लाइब्रेरी से भी संपर्क कराया। ईश्वर से प्रार्थना है कि आप सपरिवार सदा सुखी-संपन्न रहें। आप पर माँ शारदे की कृपा सदा बनी रहे।

शिक्षकों में राजेश जी, प्रकाश जी, सरिता जी, प्रियंका जी और नंदकिशोर जी के प्रति भी कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ।

डॉ. प्रभात कुमार 'प्रभाकर'

दिनांक

14 जनवरी 2021

॥ विषय-सूची ॥

1.	**रामवृक्ष बेनीपुरी**	**11–32**
	जीवनवृत्त एवं रचनाएँ	11
	माटी की मूरतें	16
	I. रज़िया	17
	II. बलदेव सिंह	18
	III. सरजू भैया	19
	IV. मंगर	19
	V. रूपा की आजी	21
	VI. देव	21
	VII. बालगोबिन भगत	22
	VIII. भौजी	23
	IX. परमेसर	24
	X. बैजू मामा	25
	XI. सुभान खाँ	26
	XII. बुधिया	28
	मुख्य कथन	29
	रामवृक्ष बेनीपुरी और 'माटी की मूरतें' पर विद्वानों की राय	31
2.	**महादेवी वर्मा**	**33–43**
	जीवनवृत्त एवं रचनाएँ	33
	सम्मान एवं पुरस्कार	36
	महादेवी वर्मा के बारे में विद्वानों की राय	37
	ठकुरी बाबा	39
	मुख्य कथन	43

3. डॉ. तुलसीराम **44–49**
जीवनवृत्त एवं रचनाएँ 44
मुर्दहिया 44

4. प्रेमचंद घर में **50–59**
मुख्य कथन 56

5. मन्नू भंडारी **60–70**
जीवनवृत्त एवं रचनाएँ 60
प्राप्त पुरस्कार एवं सम्मान 61
मन्नू भंडारी के उपन्यास 63
एक कहानी यह भी 65

6. विष्णु प्रभाकर **71–86**
जीवनवृत्त एवं रचनाएँ 71
सम्मान एवं पुरस्कार 76
आवारा मसीहा 77
मुख्य कथन 82
विष्णु प्रभाकर एवं 'आवारा मसीहा' पर विद्वानों की राय 84

7. हरिवंश राय बच्चन **87–97**
जीवनवृत्त एवं रचनाएँ 87
क्या भूलूँ क्या याद करुँ 90
बच्चन जी को प्राप्त पुरस्कार एवं सम्मान 93
बच्चन और उनकी आत्मकथा पर विद्वानों की राय 96

8. रमणिका गुप्ता **98–107**
जीवनवृत्त एवं रचनाएँ 98
पुरस्कार एवं सम्मान 100
आपहुदरी 101
मुख्य कथन 106

9. हरिशंकर परसाई **108–117**
जीवनवृत्त एवं रचनाएँ 108
सम्मान एवं पुरस्कार 111
भोलाराम का जीव 113

मुख्य कथन 115
परसाईजी के बारे में विद्वानों की राय 116

10. कृष्ण चन्दर 118–123
जीवनवृत्त एवं रचनाएँ 118
जामुन का पेड़ 120

11. रामधारी सिंह दिनकर 124–137
जीवनवृत्त एवं रचनाएँ 124
पुरस्कार एवं सम्मान 126
दिनकर के बारे में विद्वानों की राय 127
संस्कृति के चार अध्याय 129
मुख्य कथन 136

12. गजानन माधव मुक्तिबोध 138–150
जीवनवृत्त एवं रचनाएँ 138
मुक्तिबोध के बारे में विद्वानों की राय 141
एक साहित्यिक की डायरी 143
मुख्य कथन 147

13. राहुल सांकृत्यायन 151–164
जीवनवृत्त एवं रचनाएँ 151
सम्मान एवं पुरस्कार 158
राहुल सांकृत्यायन पर लिखे गये विद्वानों के आलोचनात्मक ग्रंथ 158
मेरी तिब्बत यात्रा 159
मुख्य कथन 163
विद्वानों की राय 163

14. स. ही. वात्स्यायन अज्ञेय 165–176
जीवनवृत्त एवं रचनाएँ 165
प्राप्त पुरस्कार 169
अरे यायावर रहेगा याद 169
मुख्य कथन 174
'अज्ञेय' एवं 'अरे यायावर रहेगा याद' पर विद्वानों की राय 176